भरतपुर के इन्द्रा नगर में जलभराव के कारण कई मकानों में आई दरारें

लोगों को मकान गिरने का डर सता रहा है, आसपास के सभी नाले ब्लॉक हुए

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर नगर निगम के पूर्व मेयर अभिजीत के वार्ड इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। हीरादास कुंडा का पानी अब इंद्रा नगर कॉलोनी की तरफ बढ़ने लगा है, जिससे लोगों के मकानों में दरारें आने लगी हैं। फर्श चटकने लगे हैं। ऐसे लोगों को अब मकान गिरने का डर सता रहा है। स्थानीय निवासी कई बार अधिकारियों से इसकी शिकायत कर चुके हैं। उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। साथ ही नगर निगम और बीडीए के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

स्थानीय निवासी कुंवर सिंह ने बताया कि इंद्रा नगर कॉलोनी में 25 से 30 साल पहले मकान बने थे। कॉलोनी के पास हीरादास का कुंडा है। कुंडा ओवरफ्लो हो गया है, जिसका पानी नालियों से कॉलोनी की तरफ आ रहा है। पानी मकानों तक आ गया है, जिसके कारण कॉलोनी के मकानों में दरारें आने लगी है।

भरतपुर के इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।

- स्थानीय निवासी समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे है

स्थानीय लोग कई बार प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। अब जल्द से जल्द कुंडा के पानी को निकाला जाए, साथ ही नालियों की सफाई की जाए। जिससे कॉलोनी के लोगों के मकान सुरक्षित रह सके।

लोगों ने बताया कि जलभराव के कारण मकानों में दरारें आ गई हैं। साथ ही मच्छरों का आतंक मचा हुआ है। लोग मलेरिया की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। प्रशासन हमारी सुनवाई नहीं करता। कुंडा में सेवर की तरफ से पानी आ रहा है। आसपास के नाले बंद पड़े हुए हैं। भरतपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी और नगर निगम कोई सुनवायी नहीं करती।

भारतीय सेना का गौरव सेनानी समारोह कल चूरू में

जयपुर/चूरू। सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा आठ मार्च को चूरू के साई स्पोर्ट्स स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य जिले की सभी आठ तहसीलों से आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना तथा उनसे संवाद स्थापित करना है। इस रैली में 6000 से अधिक पूर्व सैनिकों के अभूतपूर्व संख्या में भाग लेने की संभावना है। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

- आयोजन का उद्देश्य जिले की सभी आठ तहसीलों से आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना तथा उनसे संवाद स्थापित करना है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह तथा भारतीय सेना एवं नागरिक प्रशासन के अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भारतीय सेना द्वारा अपने पूर्व सैनिक समुदाय की गरिमा और कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी।

वर्तमान के जिओ-पॉलिटिकल परिस्थितियाँ अत्यंत अनिश्चित और परिवर्तनशील हैं। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि राष्ट्र की सुरक्षा के सभी आयामों में हम पूर्ण रूप से तैयार रहें। ऐसे परिदृश्यों में हमारे पूर्व सैनिक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राष्ट्र की सुरक्षा के द्वितीय एवं तृतीय सुरक्षा पंक्ति के रूप में दृढ़ता से खड़े रहते हैं। उनका अनुभव, क्षेत्रीय विशेषज्ञता और अटूट राष्ट्रभक्ति उन्हें राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर एक सशक्त शक्ति बनाती है। यह रैली पूर्व सैनिकों को पुनः राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

पूर्व सैनिक रैली के माध्यम से भारतीय सेना अपने पूर्व सैनिकों के देशभक्ति पूर्ण योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक व्यापक कल्याणकारी व्यवस्था उपलब्ध कराएगी। इस दौरान स्पर्श पेंशन सेवाएँ, रिकॉर्ड कार्यालयों तथा सीडीए द्वारा सहायता और पेंशन तथा बैंकिंग संबंधी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। नागरिक प्रशासन के स्टॉल राजस्व एवं विधिक मामलों से संबंधित शिकायतों के समाधान, आधार सेवाएँ तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट आर्गेनाईजेशन, कॉर्पोरेट क्षेत्र और बैंकों के प्रतिनिधि पूर्व सैनिकों को सम्मानजनक पुनः रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगे। रैली के दौरान एक व्यापक चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ परामर्श तथा विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पूर्व सैनिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से ई-स्कूटर, वॉकर, श्रवण यंत्र, मरीजों के लिए बेड तथा व्हीलचेयर जैसी सहायक सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर आधुनिक सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन तथा एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जो भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं, जज़्बे और युद्धक क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा। इस समारोह के दौरान पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं को राष्ट्र के प्रति उनके निःस्वार्थ योगदान के लिए सम्मानित भी किया जाएगा। गौरव सेनानी समारोह भारतीय सेना और उसके पूर्व सैनिकों के बीच अटूट संबंध को पुनः सुदृढ़ करेगा तथा उनके सम्मान, गरिमा और कल्याण के प्रति सेना की अड़िग प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करेगा।

प्रदेश में नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी कर ली है। पिछले साल नया शिक्षा सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई जा रही है। नए शिक्षा सत्र में ग्रीष्मावकाश 17 मई से 20 जून तक किए जाने की संभावना है। 21 जून को रविवार है। ऐसे में शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा। पिछले साल 17 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश निर्धारित किया गया था। नए शिक्षा सत्र

- नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई
- शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा

2026-27 के लिए शिविरा पंचांग के प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद शिक्षा निदेशालय की ओर से शिविरा पंचांग जारी किया जाएगा।

उधर, शिक्षक संगठनों का कहना है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश 45 से घटाकर 36 दिन किया जाना नियमों के विपरीत है। स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को 45 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश, 12 दिन मध्यावधि अवकाश और 14 दिन शीतकालीन अवकाश मिलता है। इसीलिए शिक्षकों को एक वर्ष में केवल 15 उपार्जित अवकाश दिए जाते हैं, जबकि अन्य कार्मिकों को 30 उपार्जित अवकाश मिलते हैं। 1 अप्रैल 2026 से राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में नया सत्र शुरू होने जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय माध्यमिक ने सभी शिक्षक संघों को बुलाया है। 6 मार्च दोपहर 12.30 बजे शिक्षा संकुल जयपुर के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है। जिसमें प्रवेशोत्सव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यालय व विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की जाएगी।

अलवर : उमरैण की 16 ग्राम पंचायतों पर 1.13 करोड़ का बिजली बिल बकाया

अलवर, (निसं)। उमरैण सहायक अभियंता कार्यालय के अधीन आने वाली पंचायत समिति क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों पर करीब 1 करोड़ 13 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया है। बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है, जिससे पंचायतों में हलचल मच गई है।

एईएन कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में पिछले कई सालों से बिजली बिल का भुगतान लंबित है। राज्य सरकार के निर्देश पर ग्राम विकास अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को नोटिस जारी कर जल्द

- बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू की, पंचायतों में हलचल मची

बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर एकल बिंदू थ्री-फेज कनेक्शन और जल जीवन मिशन के तहत संचालित बोरवेल मोटरों पर बिजली बिल का बड़ा बकाया चल रहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि 20 से 25 मार्च तक भुगतान नहीं होने पर संबंधित गांवों की पानी सप्लाई की बिजली काट दी जाएगी और ट्रांसफार्मर भी उतार लिए जाएंगे।

विभाग के अनुसार तय समय में भुगतान नहीं होने पर ट्रांसफार्मर उतारकर विभागीय ऑफिस में जमा कराए जाएंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद गांवों में पानी की किल्लत होने की स्थिति में जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और ग्राम विकास अधिकारियों की मानी जाएगी। एईएन ने बताया कि सरकार हर साल ग्राम पंचायतों को बिजली बिल भुगतान के लिए बजट उपलब्ध कराती है। इसके बावजूद कई पंचायतों ने समय पर राशि जमा नहीं करवाई, जिससे बकाया लगातार बढ़ता गया।

अभियान के तहत जेईएन पूर्ण जांगिड़ ने बताया कि अब तक दो ग्राम पंचायतों ने करीब 10 लाख रुपए जमा करा दिए हैं। माधोगढ़ ग्राम पंचायत के सरपंच पेमाराम सैनी ने करीब 6 लाख रुपए और ढहलावास ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश गुर्जर ने करीब 4 लाख रुपए का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि बाकी पंचायतों से भी जल्द भुगतान कराने के लिए अभियान जारी है। तय समय तक बकाया जमा नहीं होने पर संबंधित पंचायतों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हमले का आरोपी हिस्ट्रीशीटर व एक अन्य बदमाश गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी व आरोपी शुभम शर्मा उर्फ कन्नु बच्चा को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि फरियादी ने हमलावर मनोज के कलर का टीका लगा दिया था जिसको लेकर विवाद हो गया और हमलावर मनोज उर्फ जलेबी ने अपने साथियों के साथ मिलकर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया था। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 4 मार्च को परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई, रिपोर्ट में कहा 3 मार्च को मुझे छोटी बाई का चौराहा डडवाड़ा में मनोज जलेबी मिल गया। धूलण्डी होने से मैंने कलर का टीका लगा दिया, जिससे मनोज जलेबी ने मेरे थप्पड़ मार दिया। रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया, पर थोड़ी देर बाद दुकान पर सामान लेने गया तो मनोज जलेबी व उसके अन्य साथी मेरे को मारने आये और मनोज जलेबी व उसके साथियों ने रोक कर मारपीट की व उस पर तलवार से हमला किया। शहर एसपी ने कहा कि परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। घटना में हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ. पूनम के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने प्रकरण को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करते हुए डडवाडा निवासी मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी एवं शास्त्री कॉलोनी निवासी शुभम शर्मा को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि धूलण्डी पर्व पर अभियुक्त मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी के कलर का टीका लगाने से अचानक कहासुनी हो गई जिससे अकस्मात झगड़ा हो गया।

टोल नाका हटाने की मांग को लेकर धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर-श्रीगंगानगर स्टेट हाइवे पर स्थित 18 बीबी टोल नाके को हटाने की मांग को लेकर टोल संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के बीच हुई वार्ता में सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि टोल प्लाजा का निर्धारित समय पूरा हो चुका है, इसके बावजूद वसूली जारी है, इसलिए टोल बूथ को हटाने की मांग की जा रही है। मौके पर पुलिस का भारी जाब्ता तैनात है और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, लेकिन इसमें कोई सहमति नहीं बन सकी।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। देर रात तक भी लोग सड़क पर ही धरने पर बैठे रहे। आंदोलन को ट्रक यूनियन ने भी समर्थन दिया है। यूनियन के सदस्य भी धरनास्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े रहे और टोल नाके को हटाने की मांग का समर्थन किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रीकरणपुर सर्कल से पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया है।

उदयपुर में तीज मेले में दो गुटों हुआ विवाद, तलवारें चली

एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के झाड़ोल थाना क्षेत्र की मगवास पंचायत में तीज पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में गुरुवार शाम दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक गुट का युवक भागकर एक दुकान में घुसा जिसके पीछे दूसरे गुट का एक युवक तलवार लेकर दौड़ा और तलवार लहराने लगा। पास में खड़ा एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया। घटना गुरुवार शाम दह बजे की है, जिसके बाद मेला तुरंत बंद करवा दिया गया। घायल बच्चे को तत्काल उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। उसके पांच टांके आए हैं और हालत खतरे से बाहर है जिसे शुक्रवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

- 'मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी'

थानाधिकारी फेलीराम मीणा ने बताया कि जानकारी के अनुसार कमलनाथ रोड स्थित शंकरलाल पटेल की कपड़े की दुकान है। वह अपने 5 वर्षीय बेटे कार्तिक को साथ में लेकर दुकान पर बैठा हुआ था। उसी दुकान पर हमारा एक जवान भी बैठा था। इसी दौरान मेले में दो गुटों में आपस में झगड़ा हो गया। झगड़ते हुए उनमें से एक गुट का युवक दौड़ते हुए शंकरलाल की दुकान के अंदर घुस गया। तभी दूसरे पक्ष का युवक तलवार लेकर उसके पीछे दौड़ा और तलवार लहराने लगा। तभी पास में खड़ा शंकरलाल का बच्चा चपेट में आ गया। वहां मौजूद हमारे पुलिसकर्मी ने हमलावर को पकडने की कोशिश की लेकिन बदमाश भाग गया। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस को अभी तक घटना की रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन परिजनों से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंटेक के विशेषज्ञों ने करौली की गिरवर सिंह विशाल सिंह हवेली का निरीक्षण किया

जयपुर/करौली। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) के नई दिल्ली मुख्यालय से आए कंजर्वेशन आर्किटेक्ट और संरचनात्मक इंजीनियरों की टीम ने करौली की ऐतिहासिक धरोहर गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण कर इसकी स्थापत्य एवं ऐतिहासिक विशेषताओं का अध्ययन किया।

इंटेक चैप्टर करौली के कन्वीनर और राजपरिवार के वर्तमान प्रमुख कृष्णचंद्र पाल के आग्रह पर इंटेक के स्ट्रक्चरल इंजीनियर बच्चू सिंह, कंजर्वेशन आर्किटेक्ट प्रभा चौधरी तथा स्थानीय विशेषज्ञ राव शिवराज पाल सिंह के तीन सदस्यीय दल ने हिंडौन दरवाजा के पास स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक इमारत का गहन अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया।

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के नई दिल्ली मुख्यालय से आई इंजीनियरों की टीम ने करौली की गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण किया।

- विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया
- इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं

उल्लेखनीय है कि दो शताब्दी से अधिक पहले तत्कालीन करौली नरेश द्वारा निर्मित इस विशाल हवेली में लाल पत्थर के नक्काशीदार जालीदार झरोखे, कलात्मक शिल्पकारी युक्त छतरी, जिसमें पंचमुखी महादेव की संगमरमर की प्रतिमा नादिया के साथ स्थापित है तथा छतरी के चारों कोनों पर लाल पत्थर से निर्मित चार शेर इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। परिसर में भैरोंजी का मंदिर और कुछ प्राचीन भग्न प्रतिमाएँ भी विद्यमान हैं। इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। विशेषज्ञ दल ने भवन की संरचनात्मक स्थिति का भी परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भवन संरचनात्मक रूप से कमजोर नहीं है, बल्कि नियमित देखरेख और उपयोग के अभाव में इसकी वर्तमान स्थिति खराब हुई है। भवन की मजबूती, क्षतिग्रस्त भागों के पुनर्रुद्धार तथा संरक्षण से संबंधित अपनी विस्तृत रिपोर्ट इंटैक दिल्ली मुख्यालय द्वारा शीघ्र ही जिला प्रशासन और राज्य सरकार को सौंपी जायेगी।

निरीक्षण के पश्चात विशेषज्ञों ने चैप्टर कन्वीनर कृष्णचंद्र पाल, पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी तथा करौली चैप्टर के अन्य सदस्यों के साथ बैठक कर इमारत की धार्मिक, ऐतिहासिक और संरचनात्मक विशेषताओं व संभावित उपयोग पर चर्चा की। दल का मत था कि ऐतिहासिक और कलात्मक दृष्टि से समृद्ध ऐसे भवनों का संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान टीम ने गंगापुर मार्ग स्थित प्राचीन माँच की बावड़ी, हिंडौन गेट तथा शहर के परकोटे के कुछ हिस्सों का भी निरीक्षण किया और इन धरोहरों की वर्तमान दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि स्थानीय चैप्टर को जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष इन तथ्यों को रखते हुए इनके संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

चैप्टर के को-कन्वीनर राव शिवराज पाल सिंह ने विशेषज्ञों को करौली की अन्य रियासतकालीन ऐतिहासिक इमारतों की स्थिति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी स्थानीय चैप्टर के निवेदन पर धरोहर संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया था व करोड़ों रुपए की लागत से कई धरोहरों का जीर्णोद्धार कार्य करवाया था।

गौरतलब है कि देखरेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही इस ऐतिहासिक इमारत को गिराकर पार्किंग बनाने के प्रशासनिक निर्णय का पूर्व विधायक रोहिणी देवी सहित अनेक विरासत प्रेमियों ने विरोध किया था, जिसके बाद जिला कलैक्टर ने भवन को गिराने की कार्रवाई स्थगित कर दी थी। इस अवसर पर इंटैक के सचिव गोविन्द सिंह सेंगर, पुष्पेन्द्र बंसल, राजेन्द्र दीवान तथा कृष्णावतार सिंह सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अंबेडकर की मूर्ति खंडित की

अलवर, (निसं)। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा छोटा गांव में गुरुवार रात करीब 12 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया। प्रारंभिक जांच में दो नाबालिगों पर शक है। वहीं दलित समाज में घटना के बाद से आक्रोश है। मौके पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 12 बजे मूर्ति को तोड़ने की आवाज सुनाई दी तो आसपास के लोग आए। तब दो युवक भागते हुए दिखे। पता चला कि अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया गया है। उसके बाद पुलिस को बुलाया गया। अब सुबह से ग्रामीणों का विरोध जारी है। शुक्रवार सुबह लक्ष्मणगढ़ एसडीएम अर्चना भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने थाना अधिकारी मोहन सिंह गुर्जर के साथ ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मांग है कि खंडित मूर्ति को हटाकर उसकी जगह नई मूर्ति स्थापित की जाए। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि क्षतिग्रस्त मूर्ति को हटाकर उसी प्रकार की नई मूर्ति प्रशासन की ओर से लगवाई जाएगी।

सरपंच जयसिंह जाटव ने बताया कि दो नाबालिगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया है। जिससे दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

कोटा में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के बुढादीत थाना इलाके में धुलंडी के दिन झगड़े में हुए युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए बुढादीत पुलिस टीम ने कार्रवाई कर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बुढादीत थाना इलाके में 4 मार्च को हुए राकेश हत्याकांड के मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावग के सुपरविजन में बुढादीत थानाधिकारी दीप्ती रानी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। मामले में जुटी पुलिस टीम को हत्या के आरोपी सोनू गुर्जर के बारे में जानकारी मिली कि आरोपी कोटा बडोद होते हुए सुल्तानपुर की ओर जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को उम्मेदपुरा नहर के पास कोटा रोड़ से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी सोनू गुर्जर से पूछताछ के दौरान सामने आया कि मृतक व उसके बीच शराब पीने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 4 मार्च धुलंडी के दिन फरियादी ने बुढादीत थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसका भाई राकेश धुलंडी पर रंग लगाकर घूम रहा था, बाद में पता चला कि उसका भाई राकेश पाली की पुलिया के पास पड़ा हुआ है, जाकर देखा तो उसका भाई खून से लथपथ पड़ा हुआ था। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि इलाके में स्थित शराब के ठेके के पास उसके भाई राकेश के साथ सोनू गुर्जर ने मारपीट की है जिससे उसके भाई का मौके पर काफी खून बह गया और उसके भाई राकेश की मौत हो गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये टीम का गठन किया गया, मौके पर एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण कराया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिये गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को गिरफ्तार किया।

- धुलंडी के दिन शराब पीने की बात को लेकर हुये झगड़े में युवक की हत्या कर दी थी